2. मध्य पुरापाषाण काल
- फलक (फ्लेक्स) आधारित औजार
- स्थल: नेवासा, भीमबेटका

3. उच्च पुरापाषाण काल
- ब्लेड औजार
- गुफा चित्रकला का प्रारंभ
- स्थल: भीमबेटका (मध्यप्रदेश)

* मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age):—
Period:— लगभग 10,000 ईसापूर्व से 6,000 ईसापूर्व

प्रमुख विशेषताएँ:—
- छोटे और तीक्ष्ण औजार - माइक्रोलिथ्स
- शिकार में धनुष-बाण का प्रयोग
- अस्थायी बस्तियाँ
- पशुपालन का प्रारंभ
- मृतकों को दफनाने की परंपरा

प्रमुख स्थल:—
बागोर (राजस्थान), आदमगढ़ (मध्यप्रदेश),
लंगनाज (गुजरात)

* नवपाषाण काल (Neolithic Age)
Period:— लगभग 6,000 ईसापूर्व से 1,000 ईसापूर्व

प्रमुख विशेषताएँ:—
- कृषि की शुरुआत (गेहूँ, जौ, चावल)
- स्थायी जीवन की शुरुआत
- पॉलिश किए हुए पत्थर के औजार
- मिट्टी के बर्तन (मृदभांड), - पशुपालन का विकास
- सामाजिक और धार्मिक जीवन का आरंभ

प्रमुख स्थल:— मेहरगढ़ (बलूचिस्तान), बुर्जहोम (जम्मू-कश्मीर)
चिरांद (बिहार), कोल्डिहवा (उत्तर-प्रदेश)

M.J.C. (Paper-8)

Topic:- Formation of League of Nations
(लीग ऑफ नेशंस का गठन)

पृष्ठभूमि:—

प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) ने विश्व को जन-धन की हानि पहुँचाई। युद्ध की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने के लिए एक स्थाई अंतरराष्ट्रीय संगठन आवश्यक है। इसी आवश्यकता की वजह से लीग ऑफ नेशंस का जन्म हुआ।

लीग ऑफ नेशंस का विचार युद्ध के दौरान ही उभरने लगा था। अमेरिका के राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने इस विचार को ठोस रूप दिया। जनवरी 1918 में विल्सन ने अपने प्रसिद्ध चौदह सूत्र (Fourteen points) प्रस्तुत किए। 14वाँ सूत्र एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना से संबंधित था, जो राष्ट्रों की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा कर सके।

प्रथम विश्व युद्ध 1919 में पेरिस शांति सम्मेलन आयोजित हुआ। इसी सम्मेलन में लीग ऑफ नेशंस के गठन पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। सम्मेलन में एक विशेष समिति बनाई गई, जिसने लीग ऑफ नेशंस के संविधान (Covenant) का प्रारूप तैयार किया।

संविधान (Covenant) का निर्माण:—

लीग ऑफ नेशंस का संविधान कुल 26 अनुच्छेदों में तैयार किया गया। यह संविधान वर्साय संधि (Treaty of Versailles) का अभिन्न अंग था। 28 अप्रैल 1919 को संविधान को औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया।

10 जनवरी 1920 को लीग ऑफ नेशंस औपचारिक रूप से अस्तित्व में आई।